Title: Need to take suitable measures to check incidents of terrorism in J&K. − Laid.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : अध्यक्ष महोदय, सन 1983-84 से कश्मीर आतंकवाद और हिंसा की आग मे झुलस रहा है।

केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही कार्यवाही और केन्द्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी सरकार की जिम्मेदारी का एहसास तो दिलाते हैं लेकिन आतंकवाद और हिंसा का सिलसिला जारी है। पड़ौसी देश के साथ बातचीत के बावजूद इन घटनाओं में कोई विशेा कमी आई नहीं दिखती।

घुसपैठ बराबर जारी है। सरकार ने इस संबंध में प्रशिक्षण दे रहे आतंकवादी कैंपों की पड़ोसी देश में मौजूदगी के प्रमाण होने का दावा भी किया है। कश्मीर का करीब करीब हर बाशिंदा घुसपैठियों और आतंकवादियों के बारे में कुछ न कुछ जानकारी रखता है लेकिन इसे वह पुलिस अधिकारियों को नहीं देना चाहता क्योंकि उसे डर है कि कहीं उसे मार न दिया जाये। इस बात पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। दूसरे करीब 20 साल से भी अधिक समय बीत जाने के बावजूद हम सीमा को पूरी तरह सील नहीं कर पाये हैं।

अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि आतंकवाद की इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को उन सारे संभावित स्थानों को पहचान कर निगरानी स्तर बढ़ाना चाहिए। साथ ही सरकार को पाकिस्तान को आगाह करना चाहिए कि आतंकवादी घटनायें और उनके कैंप तत्काल बंद होने चाहिए अन्यथा शांति वार्ता में कठिनाई पैदा हो सकती है। उपर्युक्त सब पहलुओं पर ध्यान देते हुए सरकार कारगर कार्ययोजना तैयार करे ताकि इस समस्या से निपटा जा सके।